

प्रेषक,

एम0सी0 उपप्रेती
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

उप सचिव,
राज्य निर्वाचन आयोग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पंचायती राज एवं ग्रामीण अभियन्त्रण अनुभाग

देहरादून

दिनांक 29 जनवरी, 2009

विषय:- अनुदान संख्या-19, लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम्य विकास
कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-800-07-राज्य निर्वाचन आयोग (जिला स्तरीय) के पुनर्विनियोग के
संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक 4079/र.नि.आ./791-वै-/2008 दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु रु0 1,20,000-00 मात्र (रु0 एक लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित शर्तों के अनुसार आपके निर्वहन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त धनराशि का किसी भी दशा में व्यर्जन नहीं किया जायेगा तथा सम्बन्धित अविष्टान हेतु आवश्यकतानुसार फांट अपने स्तर से किया जाय।

3. उक्त आवंटित धनराशि का आहरण एक मुश्त न कर आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की सारणी बनाकर ही किया जाय।

4. इसे केवल चालू कार्यों के लिए ही व्यय किया जायेगा।

5. उक्त आवंटित धनराशि का व्यय शासन द्वारा समय-समय पर जारी/ जारी होने वाले मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों को ध्यान में रखकर किया जाय तथा व्यय आवंटित धनराशि की सीमा तक ही रखा जाय।

6. उक्त आवंटित धनराशि के व्यय की संकलित सूचना प्रपत्र-बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 7 वीं तिथि तक शासन को उपलब्ध करा दी जाय।

7. पुनर्विनियोग के पश्चात् यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति मद ने वर्ष भर की आवश्यकता के सापेक्ष धनराशि कम न हो।

8. इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-19 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-00-800-अन्य व्यय-07- राज्य निर्वाचन आयोग (जिला स्तरीय)-00- की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जाएगा तथा संलग्न पुनर्विनियोजन स्तम्भ-1 के लेखाशीर्षक के परिबद्धता से पुनर्विनियोग से वहन किया जाएगा जो साथ में संलग्न है।

9. यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या-206(NP)/XXVII-4 /2008, दिनांक 13 जनवरी, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
संलग्नक- यथोपरि।

भवदीय,

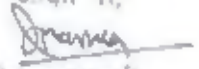
(एम0सी0 उग्रैली)
अपर सचिव।

संख्या 656/XII/08/82(26)/2003 तद् दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/ कोषाधिकारी देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड देहरादून।
5. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-4 उत्तराखण्ड शासन।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(जे0एल0शर्मा)
अनु सचिव।

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यवधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष (सरप्लस) धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि को स्थानान्तरित किया जा रहा है तथा स्थानान्तरित धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनिर्माण के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष धनराशि	औचित्य
1	2	3	4	5	6	7	8
2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-00-आयोजनेत्तर-800-अन्य व्यय-07-राज्य निर्माण आयोग(जिला स्तरीय)				2515-अन्य ग्राम्य विकास कार्यक्रम-आयोजनेत्तर-00-800-अन्य व्यय-06-राज्य निर्माण आयोग(स्थानीय निकाय आदि हेतु)			क- बचत विभाग की वास्तविक आवश्यकतानुसार इस मद में उपलब्ध है। ख- भालक मदों में संगत लेखों में बजट व्यवस्था कम होने के कारण
27-विकास प्रतिपूर्ति व्यय	50	—	—	50	01-वैतन	120	—
48-कम्प्यूटर क्रय	50	—	—	50			—
48-महंगाई वेतन	50	19	11	20			30
योग-	150	19	11	70	120	220	30

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त पुनर्विनिर्माण में बजट मैनुअल परिसंख्या- 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधान एवं नियमों का उल्लंघन नहीं होता है।

(प्रमुख सचिव)
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वित्त विभाग

संख्या 206(NP)/विअनु-4/2008

सेवा में,

महालेखाकार,

उत्तराखण्ड प्रजासत्ताक, सहारनपुर रोड, देहरादून

पुनर्विनिर्माण स्वीकृत

(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव

संख्या 65 / XII / 09 / 82(26) / 2003 दिनांक 29 जनवरी, 2009

प्रतिनिधि- निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, न्यायधीन उत्तराखण्ड देहरादून।

2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।

3. वित्त आभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।

4. गाई फाईल

(जे.एल.एम.)

अनु सचिव